INDIAN SCHOOL AL WADI AL KABIR

Class: VI(2nd lang.)	Department: Hindi	
पाठ- गोल (संस्मरण)	Topic -प्रश्नोत्तर तथा व्याकरण भाग	Note: Pl. write in your note book.

पाठ - 4 - गोल (संस्मरण)

अति लघु उत्तरीय प्रश्न

प्रश्न – 1 मेजर ध्यानचंद का जन्म कहाँ हुआ था **?**

उत्तर - मेजर ध्यानचंद का जन्म प्रयागराज में हुआ था **|**

प्रश्न – 2 मेजर ध्यानचंद को बार - बार हॉकी खेलने के लिए कौन कहते थे **?**

उत्तर - मेजर ध्यानचंद को बार- बार हॉकी खेलने के लिए सूबेदार मेजर तिवारी कहते थे **|**

प्रश्न – 3 बर्लिन ओलंपिक में मेजर ध्यानचंद के खेलने के ढंग से प्रभाबित होकर लोगों ने उन्हें क्या कहना शुरू कर दिया था **?**

उत्तर - बर्लिन ओलंपिक में मेजर ध्यानचंद के खेलने के ढंग से प्रभाबित होकर लोगों ने उन्हें 'हॉकी का जादूगर' कहना शुरू कर दिया था**|**

प्रश्न – 4 मेजर ध्यानचंद को हॉकी टीम का कप्तान कब बनाया गया **?**

उत्तर - मेजर ध्यानचंद को हॉकी टीम का कप्तान 1936 में बनाया गया **|**

प्रश्न- 1 नीचे दिए गए प्रश्नों का सटीक उत्तर कौन-सा है? उसके सामने तारा (★) बनाइए-

"दोस्त, खेल में इतना गुस्सा अच्छा नहीं। मैंने तो अपना बदला ले ही लिया है। अगर तुम मुझे हॉकी नहीं मारते तो शायद मैं तुम्हें दो ही गोल से हराता।" मेजर ध्यानचंद की इस बात से उनके बारे में क्या पता चलता है?

- वे अत्यंत क्रोधी थे।
- वे अच्छे ढंग से बदला लेते थे।
- उन्हें हॉकी से मारने पर वे अधिक गोल करते थे।
- वे जानते थे कि खेल को सही भावना से खेलना चाहिए।

उत्तर - • वे जानते थे कि खेल को सही भावना से खेलना चाहिए।

प्रश्न 2.लोगों ने मेजर ध्यानचंद को 'हॉकी का जादूगर' कहना क्यों शुरू कर दिया?

- उनके हॉकी खेलने के विशेष कौशल के कारण
- उनकी हॉकी स्टिक की अनोखी विशेषताओं के कारण

• हॉकी के लिए उनके विशेष लगाव के कारण
• उनकी खेल भावना के कारण

उत्तर - • उनके हॉकी खेलने के विशेष कौशल के कारण

मिलकर करें मिलान

पाठ में से चुनकर कुछ शब्द नीचे दिए गए हैं। अपने समूह में इन पर चर्चा कीजिए और इन्हें इनके सही अर्थों या संदर्भों से मिलाइए। इसके लिए आप शब्दकोश, इंटरनेट या अपने शिक्षकों की सहायता ले सकते हैं।

शब्द	अर्थ या संदर्भ
1. लांस नायक	1. स्वतंत्रता से पहले सूबेदार भारतीय सैन्य अधिकारियों का दूसरा सबसे बड़ा पद था।
2. बर्लिन ओलंपिक	2. भारतीय सेना का एक पद (रैंक) है।
3. पंजाब रेजिमेंट	3. सैनिकों के रहने का क्षेत्र।
4. सैंपर्स एंड माइनर्स टीम	4. वर्ष 1936 में जर्मनी के बर्लिन शहर में आयोजित ओलंपिक खेल प्रतियोगिता, जिसमें 49 देशों ने भाग लिया था।
5. सूबेदार	5. स्वतंत्रता से पहले अंग्रेज़ों की भारतीय सेना का एक दल।
6. छावनी	6. अंग्रेज़ों के समय का एक हॉकी दल।

LearnCBSE.in

1. लांस नायक	1. भारतीय सेना का एक पद (रैंक) है।
2. बर्लिन ओलंपिक	2. वर्ष 1936 में जर्मनी के बर्लिन शहर में आयोजित ओलंपिक खेल प्रति-योगिता, जिसमें 49 देशों ने भाग लिया था।
3. पंजाब रेजिमेंट	3. स्वतंत्रता से पहले अंग्रेजों की भारतीय सेना का एक दल ।
4. सैंपर्स एंड माइनर्स टीम	4. अंग्रेजों के समय का एक हॉकी दल ।
5. सूबेदार	5. स्वतंत्रता से पहले सूबेदार भारतीय सैन्य अधिकारियों का दूसरा सबसे बड़ा पद था
6. छावनी	6. सैनिकों के रहने का क्षेत्र।

उत्तर - 1. → 2 , 2. → 4 , 3. → 5 , 4. → 6 , 5. → 1 , 6. → 3

लघु उत्तरीय प्रश्न –

पंक्तियों पर चर्चा

पाठ में से चुनकर कुछ पंक्तियाँ नीचे दी गई हैं। इन्हें ध्यान से पढ़िए और इन पर विचार कीजिए । आपको

इनका क्या अर्थ समझ में आया? अपने विचार कक्षा में अपने समूह में साझा कीजिए और अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए।

प्रश्न – 1 "बुरा काम करने वाला आदमी हर समय इस बात से डरता रहता है कि उसके साथ भी बुराई की जाएगी।"

उत्तर - यदि कोई व्यक्ति किसी को बुरा-भला कहता है, तो उसे ऐसा लगता है कि उसके साथ भी कुछ बुरा हो सकता है या जिसका बुरा उसने किया है,वह भी उससे बदला लेगा ।

प्रश्न – "मेरी तो हमेशा यह कोशिश रहती कि मैं गेंद को गोल के पास ले जाकर अपने किसी साथी खिलाड़ी को दे दूँ ताकि उसे गोल करने का श्रेय मिल जाए। अपनी इसी खेल भावना के कारण मैंने दुनिया के खेल प्रेमियों का दिल जीत लिया।"

उत्तर - इन पंक्तियों में ध्यानचंद की यह भावना उजागर होती है कि वे अपनी टीम में अपने साथियों का भी पूरा सम्मान करते थे। टीम की जीत का श्रेय वे पूरी टीम को दिलाना चाहते थे।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न –

सोच-विचार के लिए

संस्मरण को एक बार फिर से पढ़िए और निम्नलिखित के बारे में पता लगाकर अपनी लेखन पुस्तिका में लिखिए-

प्रश्न – 1 ध्यानचंद की सफलता का क्या रहस्य था?

उत्तर - ध्यानचंद की सफलता का रहस्य था उनकी खेल के प्रति सच्ची लगन, साधना और खेल भावना। उन्होंने जब हॉकी खेलना शुरू किया तो वे अनाड़ी थे। धीरे-धीरे अभ्यास से उनके खेल में निखार आता गया।1936 में वे बर्लिन ओलंपिक टीम के कप्तान बने और अपने हॉकी खेलने के ढंग से लोगों को इतना प्रभावित किया कि 'हॉकी के जादूगर' कहलाए।

प्रश्न – 2 किन बातों से ऐसा लगता है कि ध्यानचंद स्वयं से पहले दूसरों को रखते थे?

उत्तर - यह कथन सत्य है कि ध्यानचंद स्वयं से पहले दूसरों को रखते थे। वे गेंद को अपने साथियों

के पास ले जाते थे ताकि वे गोल कर सकें। जीत का श्रेय केवल स्वयं न लेकर टीम को देना चाहते थे। वे सदा ध्यान रखते थे कि हार या जीत उनकी नहीं पूरे देश की होगी। जो यह दर्शाता है कि वे सच्चे देशप्रेमी थे।

शब्दार्थ :-

प्रसिद्ध – मशहूर - Famous ,well known.

झटपट - एकदम – Quickly, this very moment .

पीठ थपथपाई – शाबाशी देना -to praise , well done.

शर्मिंदा – लज्जित to feel ashamed .

गुरु- मंत्र – तरीका an efficacious means ,the mantra received from a Guru.

साधना – अभ्यास – practice, to accomplish.

भावना- इच्छा - perception , desire , feeling

दिलचस्पी – रुचि – interest.

निश्चित- पक्का – definite

नौसिखिया – नया सीखने वाला – a beginner

निखार - सुधार होना – enhancement , development .

तरक्की - उन्नति – progress , growth

श्रेय – प्रसिद्धि, कार्य करने में नाम कमाना – credit .virtue

आत्मकथा – अपने बारे में लिखी गई विचारों की कहानी an autobiography

अमर - जो कभी न मरे- immortal

प्रेरणा- सीख – inspiring , encouraging .

व्याकरण भाग -

प्रश्न - 1 निम्नलिखित शब्दों के दो-दो अनेकार्थी लिखिए :-

	शब्द		अनेकार्थी		
1 -	अंक	-	संख्या	,	गोद
2 -	कर	-	हाथ	,	टैक्स
3 -	कुल	-	सब	,	वंश
4 -	पर	-	पंख	,	परंतु
5 -	लाल	-	पुत्र	,	एक रंग

प्रश्न-2 -निम्नलिखित वाक्यों में से विशेषण शब्द छाँटकर लिखिए-

1 - विद्यालय के सामने <u>विशाल</u> पहाड़ है ।

2 - कक्षा में <u>पचास</u> विद्यार्थी बैठे हैं ।

3 - पेड़ से <u>कुछ</u> पत्ते तोड़ कर लाओ ।

4 - कपड़े की लंबाई <u>पाँच मीटर</u> है ।

5 - पौधे में <u>थोड़ा</u> पानी डाल दो।

6 - गली में <u>पहला</u> घर मोहन का है ।

7 - मीरा का भाई <u>नटखट</u> है ।

8 - मुझे <u>तीन किलो</u> आटा चाहिए |

9 - राम को <u>कुछ</u> रूपये दे दो |

10 - माता जी ने <u>पीली</u> साड़ी पहनी है।

****